विभागीय परिचय

संस्कृत

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) में संस्कृत विषय के अन्तर्गत स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठयक्रमों के संचालन का उद्देश्य छत्तीसगढ़ राज्य में संस्कृत भाषा व संस्कृत साहित्य के संरक्षण के साथ ही साथ अपनी प्राचीन वैदिक सांस्कृतिक धरोहर के महत्व का प्रतिपादन करना है। जिसके अवबोधन के द्वारा छात्रों का नैतिक एवं आध्यात्मिक–मूल्यों के प्रति रूझान उत्पन्न हो सकें तथा वे पूर्ण वैज्ञानिक भाषा के शुद्ध व परिष्कृत अध्ययन के द्वारा अपनी बौद्धिक, साहित्यिक क्षमता का सम्यक विकास कर सकें।

दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत विश्वविद्यालय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम का निर्माण संस्कृत अध्ययन–मंडल व विद्या परिषद् के वरिष्ठ विद्वतजनों के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय द्वारा किया गया।

संचालित पाठ्यक्रम

- बी.ए. (संस्कृत साहित्य)
- एम.ए. (संस्कृत)

क्र.	प्राध्यापकों के नाम	पदनाम	प्रकृति
1.	डॉ. बीना सिंह	सहायक प्राध्यापक	विभागाध्यक्ष (प्रभारी)
2.	डॉ. अमित कुमार पाण्डेय	सहायक प्राध्यापक	अतिथि शिक्षक
3.	श्री नेमचंद राजगीर	सहायक प्राध्यापक	अतिथि शिक्षक

पाठ्यक्रम संरचना

बी.ए./एम.ए. (संस्कृत)

कक्षा	न्यूनतम अर्हता	न्यूनतम अवधि	वार्षिक शुल्क (रु. में)	पाठ्यकम का माध्यम
बी.ए.	10+2	3 वर्ष	4800	हिन्दी/ संस्कृत
एम.ए.	स्नातक	2 वर्ष	7200	हिन्दी/ संस्कृत

पाठ्य सामग्री का विवरण (बी.ए. संस्कृत साहित्य)

क्र.	पाठ्यक्रम शीर्षक	प्रश्न–पत्र	वर्ष	क्रेडिट
1.	गद्य कथा एवं साहित्येतिहास	प्रथम	प्रथम वर्ष	4
2.	नाटक व्याकरण एवं अनुवाद	द्वितीय	प्रथम वर्ष	4
3.	नाटक छंद तथा व्याकरण	प्रथम	द्वितीय वर्ष	4
4.	पद्य तथा साहित्येतिहास	द्वितीय	द्वितीय वर्ष	4
5.	काव्य अलंकार तथा निबंध	प्रथम	तृतीय वर्ष	4
6.	नाटक व्याकरण तथा रचना	द्वितीय	तृतीय वर्ष	4

पाठ्य सामग्री एम.ए. (संस्कृत)

क्र.	पाठ्यक्रम शीर्षक	प्रश्न–पत्र	वर्ष	क्रेडिट
1.	वेद,निरूक्त एवं वैदिक साहित्य	प्रथम	पूर्व	8
2.	पाली–प्राकृत एवं भाषा विज्ञान	द्वितीय	पूर्व	8
3.	व्याकरण एवं निबन्ध	तृतीय	पूर्व	8
4.	भारतीय दर्शन	चतुर्थ	पूर्व	8
5.	काव्य	पंचम	अंतिम	8
6.	साहित्यशास्त्र	षष्ठम	अंतिम	8
7.	नाटक तथा नाट्यशास्त्र	सप्तम	अंतिम	8
8.	भारतीय समाज एवं पर्यावरण	अष्टम	अंतिम	8